A–0171

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL–101

Bachelor of Arts (BA)

(नाटक, अलंकार एवं छन्द)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् की नायिका शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए।
3. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का वैशिष्ट्य प्रतिपादन कीजिए।
4. अलंकारों के विकास क्रम को प्रदर्शित कीजिए।
5. अपह्नुति एवं विभावना अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) कंचुकी
   (ब) विदूषक
   (स) विष्कम्भक
   (द) सूत्रधार
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के तृतीय अंक का सारांश लिखिए।
3. रूपक अलंकार का लक्षण सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
4. उपजाति छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

5. शिखरिणी छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

6. 'किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्' सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

7. अभिज्ञान शाकुन्तलम् के प्रथम अंक के किन्हीं **दो** श्लोकों को लिखिए।

8. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

   मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः।

   न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्॥

****